हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 64 देहरादून, बृहस्पतिवार, 25 अगस्त, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

भाजपा का सांगठनिक गठन 15 सितंबर तक पूरा हो जाएगा : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट 3

आपदा के पाचंवे दिन सरखेत में सर्च टीम को 3 शव बरामद हुए

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त। बीते दिनों देहरादून के सरखेत में भारी बारिश के कारण आई आपदा से जनहानि एवं पशुहानि सहित कई भवन क्षतिग्रस्त हुए। आपदा के पाचंवे दिन सरखेत में सर्च टीम को 3 शव बरामद हुए है।

जिलाधिकारी सोनिका ने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया, कि बरामद हुए शवों का मौके पर ही पोस्टमाडर्म आदि प्रक्रिया पूर्ण करते हुए शव को परिजन के सुपूर्द करें। साथ ही सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि सर्च जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि लापता हुए लोगों के परिजनों से भी पूर्ण जानकारी लेते हुए उनके बताए गए संभावित स्थानों पर भी खोजबीन कार्य कराए जाए।

जिलाधिकारी सोनिका द्वारा आपदा प्रभावित क्षेत्र में चल रही सर्च , राहत एवं बचाव कार्य की पल-पल की जानकारी ले रही है। साथ ही प्रशासन द्वारा क्षेत्र में प्रभावितों को मुहैया कराये जा रही, रसद आदि सामग्रियों की जानकारी भी ली जा रही है। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य तथा रिलीफ कैंप आदि में तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कि क्षेत्र में कोई भी प्रभावित व्यक्ति सरकार द्वारा मुहैया कराई जा रही राहत/सहायता से वंचित न रहे, इस बात को लेने गंभीरता से लेना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने शिविर में रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो इस बात को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। कहा कि स्वास्थ्य उपचार सहित भोजन इत्यादि सभी मूलभूत सुविधा प्रभावित लोगों को मिले इस दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करेंगे। उन्होनें तहसीलदार सदर को निर्देशित किया कि आपदा से हुई भवन से लेकर फसल तक की क्षति का आंकलन बनाते समय कोई भी परिवार न छुटें, इस बात को गंभीरता से लेना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने तैनात सभी संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव तथा खोजबीन कार्य को प्राथमिकता से संपादित करने के निर्देश दिए।

मौके पर तैनात सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि सरखेत में 3 शवों की बरामदगी हुए है। जिनकी पहचान राजेन्द्र पुत्र रंणजीत निवासी जैंदवाड़ी टिहरी गढ़वाल, सुरेन्द्र पुत्र बीर सिंह ग्राम निवासी चिपल्डी जैंदवाड़ी तथा विशाल पुत्र रमेश निवासी भैंसवाड़ा के रूप में पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम मौके पर करते हुए शव को परिजनों के सुपूर्द कर दिया गया है, और सर्च आपरेशन जारी रखा गया है।

धामी कैबिनेट : अब दो मंजिला बनेगा केदारपुरी में घर और भी कई फैसले हैं खास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त। देहरादून में बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 15 बड़े और अहम फैसले लिए गए है ।

जसपुर तहसील से 80 गांव को काशीपुर तहसील में शामिल किया गया।परिवहन कर अधिकारी सेवा संवर्ग की नियमावली को मंजूरी।प्रदेश के स्कूलों में पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक छात्रों को पढ़ाया जाएगा स्वास्थ्य और स्वच्छता का पाठ।केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्य में जगह की कमी को देखते हुए अब एक मंजिला भवन की जगह बनाए जाएंगे दो मंजिला भवन।बदरीनाथ धाम मास्टर प्लान में कंसलटेंसी एजेंसी को मानव संसाधन बढ़ाने के लिए दी अनुमति।प्रदेश में 526 करोड़ की जाए का प्रोजेक्ट के लिए 70 पदों को भरने की स्वीकृति। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार राजस्व विभाग में संग्रह अमीन के कर्मचारियों को पदोन्नति देने की मंजूरी।केंद्र

कैबिनेट के फैसले पर डालते हैं एक नज़र

सरकार की आवासीय भू संपदा क्रय करार को सरकार ने किया अडॉप्ट।कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य विभाग में रखे गए 1662 संविदा कर्मचारियों को 6 माह का दिया सेवा विस्तार।रेलवे लाइन के आसपास निर्माण कार्य के लिए केंद्र सरकार की ओर से बनाई गई मैनुअल नीति को सरकार ने अपनाया।उत्तराखंड का राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार ने कंसल्टेंसी रखने का लिया निर्णय।

बक्शे नहीं जाएंगे UKSSC भर्ती कांड के गुनाहगार : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में चर्चित UKSSC में भर्ती घोटाले के संबंध में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश दिए हैं।१. पुलिस की जांच में और तेज़ी लाई जाए और दोषियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी, अवैध संपत्ति को ज़ब्त करने और गैंगस्टर एक्ट व पीएमएलए में कार्यवाही की जाए। जिन परीक्षाओं में गड़बड़ी के साक्ष्य मिले हैं उन्हें निरस्त कर नए सिरे से चयन प्रक्रिया शुरु की जाए। जो परीक्षाएं साफ सुथरे ढंग से गतिमान हैं उन्हें सुचारू रुप से समय पर संपन्न कराया जाए। जिन परीक्षाओं के माध्यम से दागी व्यक्तियों को नियुक्ति मिली है उनकी नियुक्ति निरस्त कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए। UKSSC को सुचारू रूप से चलाने के लिए वहां यथाशीघ्र एक अध्यक्ष की नियुक्ति की जाए। मुख्यमंत्री जी ने भर्ती प्रक्रिया में उजागर हुई कमियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए सभी दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाने पर बल दिया। साथ ही साथ सभी विभागों में व्याप्त रिक्तियों को स्वच्छ एवं पारदर्शी तरीके से यथाशीघ्र भरने हेतु सरकार की मंशा स्पष्ट की।बैठक में मुख्य सचिव डॉ सुखबीर सिंह संधू, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, विशेष प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री अभिनव कुमार व सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगौली उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड लोकसेवा आयोग
TARAKHAND PUBLIC SERVICE COMMISSIO

ब्रेक फेल होने पर कार को कैसे रोकें जाने इस खबर में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जब आप कार चला रहे हों और गाडी के ब्रेक फेल हो जाए माना ये एक बुरे सपने से कम नहीं। लेकिन अगर ऐसा सच में हो जाए तो ? और अगर आपको इसका एहसास तब हो जब आप अच्छी गति से गाड़ी चला रहे हो तो ? ब्रेक फेल होने से दुर्घटनाएं हो सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप इसमें रहने वालों को मामूली और बड़ी चोट लग सकती है। ऐसी स्थिति में सवारियों के अलावा कार भी क्षतिग्रस्त हो जाती है। इसलिए किसी भी वाहन में ब्रेक का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। हममें से ज्यादातर लोग ऐसी स्थिति में घबरा जाते हैं क्योंकि हमें नहीं पता होता है कि ऐसी स्थितियों में हमें क्या करना चाहिए। आज इस खबर में हम आपको बताते है कि ब्रेक फेल होने की स्थिति में अपनी कार को कैसे रोका जाए।

यहां तक कि जब आप अपने वाहन के ब्रेक का अच्छी तरह से ख्याल रखते हैं, तो कई बार यह काम करना बंद कर सकता है। ब्रेक कॉर्ड टूट सकते हैं या रिसाव के कारण मास्टर सिलेंडर दबाव लागू करने में असमर्थ हो सकता है, कुछ कारणों से ब्रेक काम करना बंद कर सकते हैं। अब हम आपको बताएंगे कैसे कम से कम नुकसान और असुविधा के साथ अपनी कार को पूरी तरह से रोका जा सकता है।

पहली बात : जो आप नहीं करते हैं जब आपको पता चलता है कि आपने अपना ब्रेक खो दिया है तो घबराना नहीं है। आपको शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए और त्वरक पेडल से अपना पैर हटा देना चाहिए। एक बार जब आप त्वरक से अपना पैर हटा लेते हैं, तो धीरे-धीरे हैंडब्रेक को आधा ऊपर खींचें। हैंडब्रेक को पूरी तरह से न खींचे क्योंकि इस बात की संभावना है कि कार नियंत्रण खो सकती है। यदि आप तेज गति से गाड़ी चला रहे हैं, तो हैंडब्रेक खींचने से पीछे के पहिये पूरी तरह से लॉक हो जाएंगे और चालक नियंत्रण खो देगा।

एक बार हैंडब्रेक को आधा ऊपर खींच लेने के बाद, गियर्स को नीचे की ओर शिफ्ट करना शुरू करें। किसी भी गियर को न छोड़ें और केवल धीरे-धीरे डाउनशिफ्ट गियर करें। गियर डाउन करने से इंजन के ब्रेक लगने के कारण कार की गति धीमी होने लगती है। ऐसा करने से कार की गति कम हो जाएगी और आप अंत में हैंडब्रेक को पूरी तरह खींचकर कार को पूरी तरह से रोक सकते हैं।

यह तरीका बहुत प्रभावी है और आंकड़े साबित करते हैं कि अगर कोई कार 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाई जा रही है, तो एक ड्राइवर उसे सिर्फ 6 सेकंड में रोक सकता है। कार को रोकने के लिए आवश्यक समय उस गति के आधार पर बढ़ेगा या घटेगा जिस गति से इसे चलाया जा रहा है। जब आप व्यस्त सड़क पर गाड़ी चला रहे हों तो यह तरीका थोड़ा अप्रभावी हो सकता है। ऐसी स्थितियों में, हो सकता है कि कार के सामने वाली कार से टकराने से पहले उसे रोकने के लिए पर्याप्त जगह न हो। ऐसी स्थितियों में, चालक को कार को अन्य वाहनों से दूर ले जाना चाहिए और उसे सड़क के कंधे तक ले जाना चाहिए। कार को रोकने के लिए चालक सड़क पर झाड़ियों या साइड रेल के खिलाफ कार को रगड़ भी सकता है। यह अंतिम उपाय होना चाहिए। शुरू में पहली विधि का उपयोग करके कार को रोकने का प्रयास करना चाहिए। कार आखिरकार एक मशीन है और जब आप इसकी अच्छी देखभाल कर रहे होते हैं तब भी कार के साथ चीजें गलत हो सकती हैं। हमें उम्मीद है कि गाड़ी चलाते समय किसी को भी उनकी कार में इस तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

महिलाओं से 15 सेकेंड गले लगने से मिलती है ऊर्जा भी उमंग भी : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुश्किल परिस्थिति में अगर कोई अपना गले लगाए तो तनाव कम महसूस होता है। रिसर्च बताती है कि ऐसा महिलाओं के संदर्भ में ज्यादा होता है। 76 लोगों पर की गई रिसर्च में यह सामने आया कि जब किसी अपने को महिला गले लगाती है, तब उस व्यक्ति में कोर्टिसोल नाम का तनाव हॉर्मोन का कम उत्पादन होता है। यह किसी पुरुष के गले लगाने से नहीं होता।

तनाव कम करना याददाश्त के लिए जरूरी : यह रिसर्च अमेरिका के एरिजोना यूनिवर्सिटी में की गई। रिसर्चर्स के मुताबिक, कोर्टिसोल मेमोरी पर प्रभाव डाल सकता है, जो तनावपूर्ण कार्य को आगे और भी कठिन बना सकता है। किसी व्यक्ति के द्वारा स्नेहपूर्वक तरीके से गले लगाने से ऑक्सीटोसिन नाम के हॉर्मोन का उत्पादन होता है। यह कोर्टिसोल के प्रभाव को कम करता है।

रुमानियत से कम होता है मानसिक दबाव : 2018 में भी ऐसी ही रिसर्च की गई थी। इसमें कहा गया था कि किसी नकारात्मक घटना के बाद किसी अपने के गले लगने से व्यक्ति बेहतर महसूस करता है। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि गले लगाने से पहले यह भी समझें कि सामने वाले को उसकी जरूरत है भी या नहीं, क्योंकि सामने वाले की मनोस्थिति ही गले लगने पर उसके असर को बता सकेगी। इस स्टडी के नतीजे नेचर जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं।

रिसर्च के मुताबिक, महिलाओं से गले लगने का फायदा शरीर को ज्यादा होता है। मानसिक सुख , एहसास का संचार और अलग ही खुशनुमा रूमानी अनुभूति के बाद जो भाव उत्पन्न होता है वो सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। वहीँ बात दो मर्दों के गले लगने की करें तो इसका सामाजिक कारण भी हो सकता है। कई पुरुष गले लगाने के बारे में उतना अच्छा महसूस नहीं करते, क्योंकि उन्हें सामाजिक रूप से पुरुषों के लिए असामान्य या अजीब माना जाता है। दूसरा कारण किसी महिला और पुरुष के बीच स्पर्श करने का भी हो सकता है।

टमाटर फ्लू : भारत में बच्चों को प्रभावित करने वाली नई संक्रामक बीमारी के बारे में आप सभी को पता होना चाहिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त, केरल और ओडिशा में एक नई बीमारी, टमाटर फ्लू या टमाटर बुखार पाया गया है, क्योंकि भारत कोरोना वायरस और मंकी पॉक्स से अपनी लड़ाई जारी रखता है। अब तक 82 बच्चे इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं। दाने हाथ, पैर और नितंबों पर दिखाई दे सकते हैं और मुंह में छाले भी पैदा कर सकते हैं। टमाटर फ्लू या टमाटर का बुखार संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है।

इस दुर्लभ वायरल संक्रमण के लक्षणों में तेज बुखार, शरीर में दर्द, जोड़ों में सूजन और थकान शामिल हैं। मतली, उल्टी, दस्त, बुखार, निर्जलीकरण, जोड़ों में सूजन और शरीर में दर्द कुछ रोगियों द्वारा बताए गए अन्य लक्षण हैं। टमाटर फ्लू आंतों के वायरस के कारण होता है और वयस्कों में उनकी मजबूत प्रतिरक्षा के कारण दुर्लभ होता है।

पिछले कुछ दिनों में केरल से टमाटर बुखार के नाम से एक नई स्थानिक बीमारी के बारे में कुछ प्रकाशन सामने आने लगे। समुदाय अभी गंभीर कोविड से उबर रहा है इसलिए बहुत संवेदनशील और नए स्थानिकमारी वाले लोगों के प्रति ग्रहणशील है। साथ ही इस तरह की खबरें दहशत पैदा करती हैं। इस बीमारी के बारे में तथ्यों की जांच करना महत्वपूर्ण है, ऐसा लगता है कि यह हाथ, पैर, मुंह की बीमारी का एक रूप है जिसमें जोड़ों के दर्द और उच्च श्रेणी के बुखार के अतिरिक्त लक्षण हैं। वैसे भी हैंड फुट माउथ डिजीज अपने आप में एक सिंड्रोम है जो विभिन्न एंटरोवायरस के कारण हो सकता है। लक्षण वायरस के प्रकार, आयु वर्ग और रोगी की प्रतिरक्षा स्थिति से भिन्न होते हैं। सामान्य तौर पर, यह सामान्य आबादी में जीवन के लिए खतरा नहीं है।

हाथ धोने और बुनियादी स्वच्छता उपायों से इसे रोकने में मदद मिलती है। केवल सहायक उपचार की आवश्यकता है। जटिलताएं अत्यंत दुर्लभ हैं और चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ऋतु खंडूड़ी ने उत्तराखंड की ब्रह्मकमल पहाड़ी टोपी को कनाडा में दी पहचान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त। कनाडा हेलीफैक्स, नोवा स्कोटिया में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के 65 वें सम्मेलन का शानदार आगाज हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ कनाडा की गवर्नर-जनरल मैरी साइमन ने किया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने उत्तराखंड की पहचान ब्रह्मकमल पहाड़ी टोपी पहन कर प्रतिभाग किया। सम्मेलन में भारत का नेतृत्व सीपीए इंडिया रीजन के अध्यक्ष व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा किया गया। इस दौरान इंडिया रीजन से सभी राज्यों के विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारी मौजूद रहे।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र पर कनाडा की गवर्नर-जनरल मैरी साइमन ने राष्ट्रमंडल सांसदों से लोकतांत्रिक सिद्धांतों और राष्ट्रमंडल के मूल्यों को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा की राष्ट्रमंडल केवल एक नाम नहीं है, बल्कि एक लक्ष्य है। राष्ट्रों का एक समाज जो समान उद्देश्यों के साथ मिलकर काम करता है।ह्र सम्मेलन से पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा इंडिया रीजन के सभी सदस्यों के साथ बैठक की गई। जिसमें सीपीए सम्मेलन के दौरान होने वाली कार्यशाला में चर्चा के विषयों पर भारत का प्रभावशाली प्रतिनिधित्व एवम पक्ष रखने के लिए रणनीति बनाई गई। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने सम्मेलन से संबंधित सभी विषयों पर चर्चा की।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण द्वारा अवगत किया गया है कि विश्व पटल पर उत्तराखंड की पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने ब्रह्मकमल पहाड़ी टोपी पहन कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया, साथ ही यह टोपी सभी के आकर्षण का केंद्र भी रही।उनके द्वारा कई विदेशी प्रतिनिधियों को टोपी भेंट भी की गई। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा है कि सम्मेलन में चर्चा होने वाले सभी विषय पर वह बेबाक अपनी बात को रखेंगी। उन्होंने अवगत किया है की सम्मेलन में कोविड महामारी की प्रतिक्रिया से लेकर जलवायु परिवर्तन से निपटने और संसद के लिए सुलभता और प्रौद्योगिकी के लिए सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और लिंग संवेदनशील विधानमंडलों के निर्माण विषय पर विभिन्न कार्यशालाओं के दौरान चर्चा की जानी है ।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ(सीपीए) की वर्तमान में लगभग 180 शाखाएँ हैं और इसे नौ क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।वैश्विक राजनीतिक मुद्दों और संसदीय प्रणाली में विकास पर चर्चा करने के लिए कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) कार्यशालाओं और सत्रों के माध्यम से सम्मेलन आयोजित करता है। हैलिफ़ैक्स, नोवा स्कोटिया, कनाडा में आयोजित 65वें सम्मेलन में सभी 9 रीजन के 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहें हैं।

भाजपा का सांगठनिक गठन 15 सितंबर तक पूरा हो जाएगा : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त, बुधवार को उत्तराखंड के बीजेपी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि भाजपा का सांगठनिक गठन 15 सितंबर तक पूरा हो जाएगा। जिलों से लेकर प्रदेश तक मोर्चा विभाग और प्रकोष्ठ भी गठित हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों को बूथ प्रबंधन की जिम्मेदारी दी जाएगी।मंडल भी बराबर भाजपा की नई टीम में कुमाऊं और गढ़वाल मंडल से 14-14 पद बांटे गए हैं।

प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2024 के लोस चुनाव की तैयारी के लिए दायित्व सौंपे जाएंगे। यूएस नगर और हरिद्वार में हारी हुई सीटों को जिताने की जिम्मेदारी राज्य सभा सांसदों की भी होगी। पार्टी चंपावत उपचुनाव का फार्मूला अपनाएगी। उन्होंने बताया कि जिलों की कार्यकारिणी का गठन बाद में होगा।

आपको बता दे कि मंगलवार को केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की नयी टीम पर मुहर लगा दी है। प्रदेश संगठन में अनुभवी, कर्मठ, युवा, महिला और चुनावी

प्रबंधन में माहिर कार्यकर्ताओं का समावेश किया गया है। प्रदेश संगठन में पहली बार सभी जिलों को प्रतिनिधित्व भी मिला है। नई टीम पूरे जोश के साथ संगठन को मजबूती देने के साथ ही सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाएगी।

इन्हें दी गई है मोर्चा की कमान

प्रदेश अध्यक्ष - मोर्चा

आशा नौटियाल (रुद्रप्रयाग)- महिला मोर्चा

शशांक रावत (अल्मोड़ा)- भाजयुमो

जोगेंद्र पुंडीर (देहरादून महानगर)- किसान मोर्चा

राकेश गिरि (हरिद्वार)- ओबीसी मोर्चा

समीर आर्य (नैनीताल)- अनुसूचित जाति मोर्चा

राकेश राणा (ऊधमसिंह नगर)- अनुसूचित जनजाति मोर्चा

इंतजार हुसैन (ऊधमसिंह नगर)- अल्पसंख्यक मोर्चा

काम की बात : उत्तराखंड सरकार में हो रही नौकरियों की बारिश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त। अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। कार्यालय जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चंपावत एवं जिला आपातकालीन संचालन केंद्र, चंपावत ने जिला चम्पावत में स्वीकृत पदों एवं पुनर्गठन के सापेक्ष रिक्त पदों पर अनुबंध के आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये हैं. जाओ।जानकारी के अनुसार सहायक सलाहकार के 01 पद (₹ 20,000.00/माह निर्धारित मानदेय/अनुबंध के आधार पर) एवं सहायक प्रबंधक/प्रभारी के 03 पद (निश्चित मानदेय/अनुबंध के आधार पर ₹ 25,000.00/माह (अधिकतम)) पर नियुक्ति की जानी है। सभी शैक्षणिक योग्यताओं की स्वप्रमाणित फोटोकॉपी, इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र, स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक के माध्यम से जिला मजिस्ट्रेट / अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चंपावत, पिन-262523। दिनांक- 12.09.2022 अपराह्न 05:00 बजे तक।पदों से संबंधित अधिक जानकारी, शैक्षिक योग्यता एवं अधिमानी अर्हता का सम्पूर्ण विवरण जनपद चम्पावत की वैवसाइट https://champawat.nic.in/notice/new-_-recruitment-in-disaster-management-champawat/ में उपलब्ध है।

आपदा प्रभावितों की आवाज बनकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचे मंत्री गणेश जोशी

मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से अतिरिक्त मुआवजा धनराशि देने का भी सीएम से किया अनुरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से विधानसभा क्षेत्र मसूरी के अन्तर्गत विकास खण्ड रायपुर के ग्राम पंचायत तिमलीमान सिंह सरखेत एवं छमरौली में तथा जनपद टिहरी के विकासखण्ड जौनपुर के अन्तर्गत ग्राम ग्वालीडाण्डा, तोलियाकाटल, सोन्दना, चिफल्टी एवं सीतापुर में दिनांक 20 अगस्त को आयी भीषण दैवीय आपदा के संबंध में मुख्यमंत्री से आपदा प्रभावितों की समस्याओं को रखा।

मंत्री जोशी ने आपदा में हुए नुकसान के बारे में विस्तार से मुख्यमंत्री को जानकारी दी। मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हुए कहा कि बादल फटने से आये सैलाब से काफी लोग प्रभावित हुए हैं जिसमें काफी जनहानि तो हुई है और कई लोग बेघर भी हो गये हैं। उन्होंने प्रभावित लोगों को विस्थापित किये जाने का मुख्यमंत्री से अनुरोध किया।

इसके अलावा मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि विकासखण्ड रायपुर के ग्राम पंचायत तिमलीमान सिंह सरखेत एवं छमरौली में आयी भीषण दैवीय आपदा में प्रभावित लोगों को जिला प्रशासन द्वारा रूपये 1,05,700/- की धनराशि स्वीकृत की गयी है। जो कि काफी कम धनराशि है। इस दैवीय आपदा में लगभग 25 परिवार बेघर हो गये हैं। चूंकि लोगों के घर बार, खेती एवं पशु इस आपदा में बह गये या घर-खेती पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त एवं नष्ट हो गयी है। इस दैवीय आपदा से प्रभावित लोगों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष या मुख्यमंत्री राहत कोष से अतिरिक्त धनराशि / मुआवजा दिये जाने का भी कैबिनेट मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से अनुरोध किया। जिससे दैवीय आपदा ग्रस्त लोगों का जनजीवन सामान्य हो सकेगा।

इस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए सभी प्रभावितों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय ने प्लास्टिक को कुचलने के लिए स्थापित मशीन का उद्घाटन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 24 अगस्त। जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय ने हाथी पुल के निकट शिव घाट पर नेशनल शिड्यूल कास्ट्स फाइनेंस एण्ड डेवलेपमेंट कारपोरेशन, भारत सरकार के कारपोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी मद से प्राप्त प्लास्टिक की बोतलों को टुकड़े-टुकड़े करने की स्थापित मशीन का फीता काटकर उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय ने नेशनल शिड्यूल कास्ट्स फाइनेंस एण्ड डेवलेपमेंट कारपोरेशन, भारत सरकार एवं स्वालम्बन एन0जी0ओ0 नई दिल्ली को यह मशीन उपलब्ध कराने के लिये धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक को क्रस करने की यह मशीन नेशनल शिड्यूल कास्ट्स फाइनेंस एण्ड डेवलेपमेंट कारपोरेशन ने सीएसआर मद से स्वावलम्बन स्वयंसेवी संस्था को भेंट की, जिन्होंने यह मशीन नगर निगम हरिद्वार को उपलब्ध कराई है।

जिलाधिकारी ने मशीन के उद्घाटन के पश्चात प्रयोग के तौर पर जैसे ही प्लास्टिक की बोतलों को एक-एक करके प्लास्टिक क्रस करने वाली मशीन में डाला, तो मशीन ने बोतल के छोटे-छोटे टुकड़े करके नीचे स्थापित ट्रे में भेज दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में आवश्यकतानुसार ऐसी मशीनें जगह-जगह स्थापित की जायेंगी। विनय शंकर पाण्डेय ने लोगों का आह्वान किया कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादों-प्लास्टिक कटलरी जैसे कांटे, प्लास्टिक के चम्मच, प्लास्टिक के चाकू, प्लास्टिक के गिलास, प्लास्टिक का स्ट्रो, प्लास्टिक की प्लेट, प्लास्टिक की ट्रे आदि वस्तुओं के स्थान पर हमें वैकल्पिक वस्तुओं जैसे स्टील के गिलास, कांच की बोतल, मिट्टी की बोतल आदि का इस्तेमाल करना चाहिये। उन्होंने कहा कि अभी सिंगिल यूज प्लास्टिक के सम्बन्ध में हमारा प्रचार-प्रसार का अभियान चल रहा है तथा जल्दी ही चालान आदि की कार्रवाई की जायेगी।जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा, हरिद्वार को साफ-सुथरा रखने तथा भावी पीढ़ी का ध्यान रखते हुये हमें अपनी आदतों में सुधार लाते हुये प्लास्टिक के कैरी बैग आदि के स्थान पर जूट या कपड़े से निर्मित कैरी बैग का प्रयोग करना चाहिये।

इस अवसर पर एम0एन0ए0 दयानन्द सरस्वती, सहायक नगर आयुक्त एम0एल0शाह, नेशनल शिड्यूल कास्ट्स फाइनेंस एण्ड डेवलेपमेंट कारपोरेशन के चीफ मैनेजर गुलशन कुमार पहाड़िया, पूर्व मेयर दिल्ली सुश्री नीमा भगत, स्वावलम्बन स्वयं सेवी संस्था की अध्यक्षा सुश्री स्मृति, प्लास्टिक क्रस मशीन कम्पनी अवन्ति बिजनेश मशीन लि0 के मैनेजर राजीव श्रीवास्तव, इंजीनियर हरकेश राठी, राजेन्द्र रस्तोगी, सुभाष शर्मा, सलोनी जैन, रमेश उपाध्याय सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

तीर्थनगरी में मोबाइल एप से मिलेगी जानकारी यात्रियों को मिलेगी सहूलियत : प्रेमचंद अग्रवाल

■ यात्रियों को एप से नजदीकी शौचालय, पार्किंग, मंदिर, बस स्टॉप, अस्पताल, मेडिकल, टैक्सी आदि की मिलेगी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 24 अगस्त। कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने ऋषिकेश सहित मुनिकीरेती और स्वर्गाश्रम को पर्यटकों के अनुरूप मूलभूत सुविधाएं देने के लिए एकीकृत अवस्थापना विकास परियोजना को भारत के आर्थिक कार्य मंत्रालय द्वारा 1600 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। बता दें कि परियोजना को पूर्व में नीति आयोग और आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार ने स्वीकृति प्रदान की थी।बुधवार को एडिशनल प्रोग्राम डायरेक्टर उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलेपमेंट विनय मिश्रा के साथ मंत्री डॉ अग्रवाल ने ऋषिकेश नगर सहित मुनिकीरेती, स्वर्गाश्रम के एकीकृत अवस्थापना विकास परियोजना के संबंध में जानकारी हासिल की।

विनय मिश्रा ने बताया कि नगर निगम ऋषिकेश, नगर पालिका मुनिकीरेती और नगर पंचायत स्वर्गाश्रम के लिए बनी परियोजना को भारत के आर्थिक कार्य मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान की है। बताया कि परियोजना की कुल लागत लगभग 200 मीलियन यूरो (लगभग रूपये 1600 करोड़) है। परियोजना हेतु भारत सरकार व राज्य सरकार का वित्तीय अनुपात 80:20 प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि इसमें भारत सरकार द्वारा यूरोपीय वित्तपोषण संस्था KFW को 160 मीलियन यूरो की सहायता हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। विनय मिश्रा ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत ऋषिकेश नगर निगम, मुनिकीरेती नगरपालिका तथा स्वर्गाश्रम नगर पंचायत क्षेत्र में एक सिटी ऐप कार्य करेगा। जो एक तरह से यात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों के लिए मददगार साबित होगा। इस ऐप के जरिए यात्री अपनी लोकेशन के आसपास ही पार्किंग, टॉयलेट, मेडिकल, अस्पताल, प्याऊ, पुलिस चौकी, सरकारी दफ्तर, व्यापारिक संस्थान, गंगा घाट, मंदिर सहित अन्य तीर्थ स्थल आदि की जानकारी ले सकेंगे। साथ ही यात्री पार्किंग पर अपना वाहन पार्क कर इलेक्ट्रिक व्हीकल के जरिए अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत 24X7 पेयजल आपूर्ति प्रणाली, पेयजल मीटर वर्षाजल प्रबन्धन व बाद सुरक्षा, सार्वजनिक स्वच्छता सुविधाएं, स्मार्ट शहरी स्थल परिधान व सामान कक्ष, प्रतीक्षालय, घाट और व्यापारिक स्थल का विकास, सड़के और यातायात प्रबंधन भूमिगत उपयोगिता नालिका नागरिक सुरक्षा और सुविधाओं हेतु विकसित एकीकृत नियंत्रण व आदेश केन्द्र, स्मार्ट स्तम्भ व ऊर्जा बचत हेतु उपकरणों की स्थापना, परिवहन केंद्र, बस टर्मिनल और पार्किंग इत्यादि के कार्य किए जाने हैं।डॉ अग्रवाल ने कहा कि उनकी ओर से वैश्विक व राष्ट्रीय मंच पर लगातार तीर्थ नगरी को पर्यटकों के अनुरूप मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने हेतु लगातार प्रयास किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड का चहुमुखी विकास हो रहा है कहा कि प्रधानमंत्री का तीर्थ नगरी से जुड़ाव होने के चलते इस परियोजना को स्वीकृति मिल सकी है।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश में अनेक विकास कार्य हुए हैं। इस परियोजना के जरिए पार्किंग और रोपवे का रास्ता भी खुलेगा। ऋषिकेश नगर में स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों को बेहतर मूलभूत सुविधाए उपलब्ध होंगी। साथ ही ट्रैफिक जाम से होने वाली परेशानी को कम करने के उद्देश्य से ऊंचे पथों का निर्माण किया जायेगा। स्थानीय नागरिकों व पर्यटकों को बेहतर पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाएं प्राप्त होंगी। जीविकोपार्जन गतिविधियों में वृद्धि होगी।

पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने लम्पी स्किन संक्रमण पर दिए सख्त निर्देश

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य के हरिद्वार, देहरादून व पौड़ी जनपदों के गोवंशीय व महिषवंशीय पशुओं में लम्पी स्किन डिजीज (USD) का संक्रमण फैल रहा है। राज्य में लम्बी स्किन डिजीज (ISD) की रोकथाम हेतु विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत संकमित क्षेत्र के चारों ओर रिंग वैक्सीनेशन तथा अन्य राज्यों की सीमा से लगे हुए गाँवों में टीकाकरण अभियान चलाये जाने हेतु अभी तक एक लाख से अधिक वैक्सीन जनपद उधमसिंहनगर, हरिद्वार, देहरादून, पौडी व टिहरी को उपलब्ध करायी जा चुकी है तथा अतिरिक्त वैक्सीन की व्यवस्था की जा रही है।

पर्वतीय क्षेत्रों में रोग के बचाव हेतु तलहटी के गाँवों में भी टीकाकरण किया जा रहा है। 23 अगस्त तक 3822 पशुओं का इलाज किया जा चुका है। जिसमें 823 पशु पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गये हैं तथा 68 पशुओं की मृत्यु हुई है। रोग की रोकथाम हेतु रगी जनपदों में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है। जिसके अंतर्गत संकलित पशुओं से

स्वस्थ पशुओं को पृथक किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। रोग के संक्रमण को रोकने के लिए राज्य के बाहर से पशुओं को आयात न किया जाय, साथ ही राज्य के अन्दर पशुओं की आवाजाही हेतु क्षेत्रीय पशु चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत रोग से मुक्त स्वस्थता प्रमाण पत्र की अनिवार्यता आवश्यक की गई है। स्वस्थ पशुओं को संक्रमण से बचाने हेतु पशु को स्वस्थ रखा जाना आवश्यक है तथा पशुओं के उर्जा स्तर को बनाये रखने के लिए मिनरल मिक्चर आदि का प्रयोग किया जाय।

पशुओं के आस-पास साफ-सफाई रखी जानी आवश्यक है तथा स्थानीय विकास के माध्यम से फोनिंग द्वारा मकर व जू से बचाव किये जाने के उपाय करने आवश्यक है। मृत पशु की वैज्ञानिक रूप से गहरा दफन कर निस्तारित किया जाय जिससे रोग फैलने पर अंकुश लगाया जा सके। मृत पशु की खाद्य चारा व अन्य वस्तुएँ पशु के साथ ही निस्तारित की जानी आवश्यक है। यदि किसी पशु को तीव्र ज्वर और गांठ और चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देते है तो तत्काल रोग की सूचना पशुपालन विभाग की किसी भी संस्था पर आवश्यक रूप से सूचित किया जाए ताकि रोग की रोकथाम हेतु समुचित उपाय किये जा सके।

काम की बात : अब बैंक खाते से सीधे कटेगा टोल, राजमार्गों से हटेंगे टोल प्लाजा

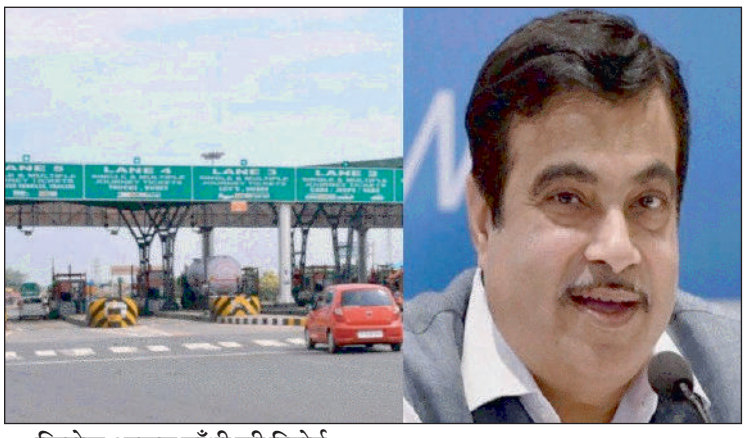

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत सरकार देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा को हटाकर उसकी जगह स्वचालित नंबर प्लेट रीडर कैमरे लगवाने की योजना पर काम कर रही है। इस योजना में कैमरे वाहन नंबर प्लेट को पढ़कर वाहन मालिकों के लिंक बैंक खातों से स्वचालित रूप से टोल काट लेंगे।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इस योजना का एक पायलट चल रहा है और इसको सुविधाजनक बनाने के लिए कानूनी संशोधन भी किए जा रहे हैं।गडकरी ने मीडिया को बताया, "2019 में, हमने एक नियम बनाया कि कारें कंपनी-फिटेड नंबर प्लेट के साथ आएंगी। पिछले चार साल में जो वाहन आए हैं, उन पर अलग-अलग नंबर प्लेट हैं। अब टोल प्लाजा को हटाने और कैमरे लगवाने की योजना है, जो इन नंबर प्लेट को पढ़ेगा और सीधे खाते से टोल काट लिया जाएगा। हम इस योजना का पायलट भी कर रहे हैं।वर्तमान में, लगभग 40,000 करोड़ रुपये के कुल टोल कलेक्शन का लगभग 97 प्रतिशत

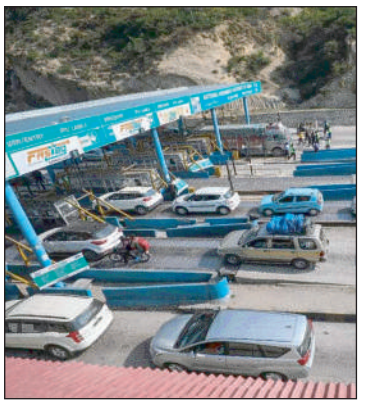

FASTags के माध्यम से होता है – शेष 3 प्रतिशत FASTags का उपयोग नहीं करने के लिए सामान्य टोल दरों से अधिक भुगतान करते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार FASTags के साथ, एक टोल प्लाजा को पार करने में प्रति वाहन लगभग 47 सेकंड का समय लगता है और इससे प्रवाह क्षमता में उल्लेखनीय तेजी आती है। मैनुअल टोल कलेक्शन लेन से प्रति घंटे 112 वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह लेन के माध्यम से प्रति घंटे 260 से अधिक वाहन निकलते हैं।

नए सुपरफूड 'कुमकुम भिंडी' के पीछे का विज्ञान जो कोलेस्ट्रॉल और हाई बीपी को कम करता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बड़े होकर हमें बताया गया कि भिंडी या भिंडी खाने से हमारा दिमाग तेज होता है और यह विटामिन ए, के, सी और बी6 का अच्छा स्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में, इस सब्जी की एक और किस्म ने सभी का ध्यान खींचा है - लाल भिंडी या कुमकुम भिंडी। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यह लाल भिंडी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने, उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने, एनीमिया की संभावना को कम करने और चयापचय को बढ़ावा देने में मदद करती है। "कुमकुम भिंडी में 94 फीसदी पॉलीअनसेचुरेटेड फैट होता है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। इसके साथ ही इसकी 66 प्रतिशत सोडियम सामग्री उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होती है, जबकि इसका 21 प्रतिशत आयरन एनीमिया की संभावना को कम करता है, और प्रोटीन की 5 प्रतिशत मात्रा शरीर की चयापचय प्रणाली को क्रम में रखती है। द ट्रिब्यून इंडिया।

नया सुपरफूड एंथोसायनिन और फेनोलिक्स जैसे पोषक तत्वों से भी भरपूर है, जो हमारी सूजन-रोधी क्षमता को बढ़ाता है। इसमें विटामिन ए, सी और बी कॉम्प्लेक्स भी होता है। सब्जी में मौजूद फाइबर शुगर को कंट्रोल करता है। यह पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ कैलोरी में भी कम है। काशी लालिमा नाम की इस नई किस्म को 23 साल की कड़ी मेहनत के बाद 2019 में द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल रिसर्च (IIVR) द्वारा विकसित किया गया था। संस्थान ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह लाल भिंडी एंटीऑक्सिडेंट, आयरन और कैल्शियम सहित पोषक तत्वों से भरपूर है।

आईआईवीआर के पूर्व निदेशक डॉ बिजेंद्र ने 1995-96 में लाल भिंडी पर काम शुरू किया। भिंडी का यह संस्करण बैंगनी-लाल रंग का है, और कीमत 100 से 500 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। 2019 तक, इस किस्म को पश्चिमी देशों से आयात करना पड़ता था। अब इसे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के किसान भी उगा रहे हैं। यह सब्जी न केवल उपभोक्ताओं के लिए बल्कि किसानों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि इससे उन्हें अच्छा मुनाफा होता है।

भोपाल के किसान मिश्रीलाल राजपूत ने बताया कि यह किस्म आम भिंडी की तुलना में 5-7 गुना महंगी है। यह कुछ मॉल में 75-80 रुपये से 300-400 रुपये प्रति 250 ग्राम / 500 ग्राम में बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा उगाई गई भिंडी 40 दिनों में अंकुरित होने लगी और एक एकड़ भूमि पर 40-80 क्विंटल के बीच कहीं भी उगाई जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि खेती के दौरान किसी भी कीटनाशक का इस्तेमाल नहीं किया गया था।

यह लाल भिंडी फरवरी और अप्रैल के दूसरे सप्ताह के बीच बोई जा सकती है। इसे नवंबर में भी बोया जा सकता है।

त्रिफला चूर्ण के 4 खतरनाक दुष्प्रभाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

त्रिफला (त्रि का अर्थ है तीन और फला का अर्थ है फल), तीन फलों का एक आयुर्वेदिक संयोजन है। ये तीन फल है आमलकी, बिभीतकी, और हरीतकी। आयुर्वेद की पुस्तक में, त्रिफला को उन अद्भुत जड़ी-बूटियों में से एक के रूप में जाना जाता है जो कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर हैं।

त्रिफला लंबे समय से एक टॉनिक के रूप में प्राचीन आयुर्वेदिक संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है जो स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देता है। हालांकि, जैसा कि हम हमेशा कहते हैं - बड़ी मात्रा में सेवन किया गया कुछ भी स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता है। अच्छे से ज्यादा यह वास्तव में आपके शरीर और समग्र स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। यहां त्रिफला के कुछ अज्ञात और खतरनाक दुष्प्रभावों की सूची दी गई है जिन्हें आपको जानना चाहिए।

त्रिफला चूर्ण के दुष्प्रभाव

जबकि यह जड़ी बूटी कई स्वास्थ्य स्थितियों के इलाज के लिए जानी जाती है, विशेषज्ञों ने कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में भी चेतावनी दी है जो त्रिफला आपके शरीर पर हो सकते हैं। नीचे दी गई पूरी सूची देखें और सुनिश्चित करें कि यदि आपके पास कोई अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियां हैं तो डॉक्टर या चिकित्सक से परामर्श किए बिना त्रिफला लेने से बचें।

पाचन तंत्र को प्रभावित करता है

त्रिफला एक हल्का रेचक है जो गैस पैदा कर सकता है और गैस, दस्त, ऐंठन, पेट खराब, और कई अन्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मुद्दों जैसी पाचन समस्याओं को ट्रिगर कर सकता है। आप किस प्रकार के त्रिफला का सेवन कर रहे हैं, इस पर निर्भर करते हुए, पाचन समस्याओं के लक्षण भिन्न हो सकते हैं। हालांकि, यदि आप ऊपर सूचीबद्ध लक्षणों में से कोई भी नोटिस करते हैं, तो त्रिफला को लेना बंद कर देना सबसे अच्छा है।

गर्भावस्था की जटिलताओं का कारण बन सकता है

हरीतकी, जो त्रिफला के अवयवों में से एक है, गर्भवती महिलाओं में गर्भपात का कारण माना जाता है। अध्ययनों ने इस घटक को गर्भवती माताओं पर कई अन्य हानिकारक प्रभावों से भी जोड़ा है। इसलिए, यदि आप गर्भवती हैं, तो त्रिफला का सेवन न करने की सलाह दी जाती है।

दवाओं के साथ नकारात्मक प्रतिक्रिया कर सकते हैं

त्रिफला साइटोक्रोम P450 नामक सबसे महत्वपूर्ण लीवर एंजाइमों में से एक के समुचित कार्य में समस्या पैदा कर सकता है। यह दवाओं के अनुचित कामकाज का कारण बन सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में, त्रिफला का एक घटक अवसाद की दवाओं के साथ बातचीत करता पाया गया और नींद के पैटर्न में व्यवधान (अनिद्रा के लिए अग्रणी), और अत्यधिक मिजाज के साथ एक विश्राम का कारण बना।

रक्तचाप में अचानक गिरावट

त्रिफला अपने मधुमेह विरोधी गुणों के लिए प्रसिद्ध है। हालांकि, जब एक मधुमेह रोगी जो पहले से ही दवा पर है, अत्यधिक त्रिफला का सेवन करता है, तो उनका रक्तचाप खतरनाक रूप से निम्न स्तर तक गिर सकता है। इसलिए जिन लोगों को लो ब्लड प्रेशर है उन्हें त्रिफला से बचना चाहिए क्योंकि यह इसे और कम कर सकता है, जो आपके शरीर के लिए अच्छा नहीं होगा।

संपादकीय

नेपाल को लेकर चीन की बौखलाहट

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की स्पीकर नैंसी पेलोसी की हाल में हुई ताइवान यात्रा का चीन की आंतरिक शांति और उसकी वैश्विक छवि पर बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है. ताइवान के मुद्दे को लेकर चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अमेरिकी विरोध और राष्ट्रवादी भावनाओं से भरे हुए हैं. इस स्थिति में चीन ने कई देशों से 'एक चीन नीति' (वन चाइना पॉलिसी) का समर्थन करने का आग्रह किया है. इस नीति के अंतर्गत चीन ताइवान का एक अभिन्न अंग माना जाता है. चीन के विदेश मंत्रालय ने लगातार यह कहा है कि ताइवान जलडमरूमध्य चीन का क्षेत्र है और ताइवान की अखंडता का मुद्दा चीन की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. उल्लेखनीय है कि चीन अन्य देशों की तुलना में अपने निकटतम पड़ोसियों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है. इस बात का उदाहरण पड़ोसी देश नेपाल में चीनी राजदूत के बयान से दिखाई देता है. चूंकि तिब्बत चीन का हिस्सा है और नेपाल के साथ उसकी सीमा जुड़ी हुई है, तो स्वाभाविक रूप से चीन के लिए नेपाल सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है. हाउस स्पीकर पेलोसी की ताइवान यात्रा के तुरंत बाद नेपाल में चीन की राजदूत हो यांकी ने एक वक्तव्य में कहा कि चीन नेपाल की 'वन चाइना नीति' के प्रति प्रतिबद्धता का आदर करता है और यह चीन-नेपाल संबंधों की नींव है. बात यहीं खत्म नहीं हुई. चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने आनन-फानन में नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रसाद खडका का एक ग्यारह सदस्यीय प्रतिनधि मंडल के साथ नौ अगस्त को उनकी तीन दिवसीय चीन यात्रा पर स्वागत किया. खडका ने चीन यात्रा के दौरान 'वन चाइना नीति' के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता को दोहराया. इस दौरे में चीन ने नेपाल को 800 मिलियन युआन के अनुदान की घोषणा भी की. खडका की यात्रा चीन के लिए तिब्बत में शांति बनाये रखने हेतु महत्वपूर्ण है. उल्लेखनीय है कि नेपाल में लगभग 30 हजार तिब्बती शरणार्थी रहते हैं, जो कई अवसरों पर तिब्बत की आजादी को लेकर आंदोलन करते रहे हैं. वर्ष 2008 में बीजिंग में आयोजित ओलिंपिक खेलों के दौरान तिब्बत में हुए आंदोलन का प्रभाव नेपाल में भी देखा गया था. नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्प कमल प्रचंड ने चीन के दबाव में आंदोलनकारियों के खिलाफ कड़े कदम उठाये थे, जिसकी वजह से अमेरिका, यूरोपीय देश एवं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं ने नेपाल की आलोचना की थी. इन संस्थाओं में एमनेस्टी इंटरनेशनल एवं ह्यूमन राइट्स वॉच भी शामिल थे. नेपाल को लेकर चीन पहले से ही परेशान नजर आता रहा है. इसी वर्ष फरवरी में नेपाली संसद द्वारा मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) से संबंधित प्रस्ताव के पारित होने के बाद चीन सरकार की सक्रियता बढ़ गयी है. मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन अमेरिका की एक अनुदान शाखा है, जो जरूरतमंद देशों को विकास कार्यों के लिए बड़ी धनराशि मुहैया कराती है. वर्ष 2017 में अमेरिका ने एमसीसी के तहत नेपाल को पांच सौ मिलियन अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की थी, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी ओली ने चीन से नजदीकियों के चलते अमेरिकी अनुदान में खास दिलचस्पी नहीं दिखायी थी. चूंकि अमेरिकी अनुदान को चीन के बेल्ट-रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) के विरोध में देखा जा रहा था, सो नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार एमसीसी के मसले पर शांत रही. इतना ही नहीं, एमसीसी को अमेरिका की हिंद-प्रशांत नीति का भी हिस्सा बताया गया, जिसके कारण नेपाल में उग्र आंदोलन भी हुए. लेकिन जुलाई, 2021 में कम्युनिस्ट सरकार के गिरते ही नेपाली कांग्रेस सरकार ने एमसीसी के प्रस्ताव को संसद में पारित करा लिया. पिछले आठ महीनों में अमेरिका के कई उच्च अधिकारियों एवं प्रतिनिधि मंडलों ने नेपाल का दौरा किया है. इससे चीन की घबराहट स्पष्ट दिख रही है. नेपाल की ऐतिहासिकता 1959 में तिब्बत में हुए खाम्पा विद्रोह के संदर्भ में भी देखी जाती है, जिसमें अमेरिका ने नेपाल के रास्ते तिब्बती विद्रोहियों को मदद पहुंचाया था.

मंत्री चंदन राम दास ने की सीएम धामी से बागेश्वर के काफलीगैर में राजकीय महाविद्यालय खोलने की मांग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त। उत्तराखंड सरकार में समाज कल्याण मंत्री चंदन राम दास के नेतृत्व में बागेश्वर जिला अध्यक्ष भाजपा शिव सिंह बिष्ट, विधायक कपकोट सुरेश गड़िया, ब्लॉक प्रमुख गरुड़ हेमा बिष्ट, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष इंद्र सिंह बिष्ट ने मुलाकात कर मुख्यमंत्री को बागेश्वर जिले के विकास खंड गरुड़ में आयोजित माँ कोट भ्रामरी मेले का शुभारंभ करने के लिए आमंत्रित किया।साथ मे सुमित्रा नंदन पंत राजकीय महाविद्यालय गरुड़ में पी0जी0 स्तर की कक्षाएं संचालित करने व तहसील काफलीगैर में राजकीय महाविद्यालय खोलने व इस वर्ष से कक्षाएं प्रारम्भ करने के सबन्ध में चर्चा वार्ता की।।

उपराष्ट्रपति धनकड़ से मिले सांसद नरेश बंसल, देवभूमि आने का दिया न्योता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली 24 अगस्त। उत्तराखंड से राज्यसभा सासंद नरेश बंसल ने भारत के उपराष्ट्रपति व सभापति राज्य सभा जगदीश धनकड़ से उपराष्ट्रपति भवन मे शिष्टाचार भेंट की एवं समसामयिक व देश -विदेश के विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। उपराष्ट्रपति को पुष्प गुच्छ देकर राज्य सभा सासंद नरेश बंसल ने उनके नव दायित्व के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी। सासंद नरेश बंसल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को पौधा व पटका भेंट किया व देवभूमी उत्तराखंड आने का न्योता दिया जिसे उपराष्ट्रपति जी ने सहर्ष स्वीकार किया ।

मंत्री जोशी ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का दिया भरोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,24 अगस्त। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी आज आपदा प्रभावित क्षेत्र सरखेत गांव पहुंचे। जहां उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में पुनर्निर्माण कार्यों की अधिकारियों से जानकारी ली। इसके साथ ही मंत्री गणेश जोशी ने आपदा जिन्होंने अपनो को खोया है, उनके परिजनों को ढांढस बंधाया और सरकार की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। विदित हो कि प्रभावित क्षेत्र में बुधवार को रेस्क्यू के दौरान सरखेत में अभी तक तीन शवों बरामद किया गया है, बाकी लापता दो लोगों के खोजबीन जारी है। मंत्री जोशी ने कहा कि आपदा पीड़ितों के साथ पूरी तरीके से खड़ी है जो

भी यथासंभव मदद होगी वो प्रभावितों की को जायेगी।जिनके शव बरामद किए गए- 1. विशाल-15 वर्ष , पिता का नाम रमेश सिंह 2. राजेंद्र सिंह -40 वर्ष /रणजीत सिंह3. सुरेंद्र -45 वर्ष / वीर सिंहलापता - 1. जगमोहन सिंह 28 वर्ष, पिता का नाम बचन सिंह2. अनिता देवी,38 वर्ष , पति का नाम राजेंद्र

शीघ्र बनेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट : अजय भट्ट, केंद्रीय राज्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 24 अगस्त। केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्यमंत्री एवं चेयरमेंन एएसी (एयरोड्रम एडवाईजरी कमेटी) अजय भट्ट की अध्यक्षता में बुद्धवार को जीबी पन्त यूनिवर्सिटी के एनेक्सी-1 सभागार में एयरोड्रम एडवाईजरी कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। कमेटी अध्यक्ष अजय भट्ट ने कमेटी के रिक्त पद के सापेक्ष क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा को कमेटी का डिप्टी चेयरमेन नामित किया।

कमेटी चेयरमेन अजय भट्ट ने अन्तराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट निर्माण हेतु नागरिक उड्डयन सचिव भारत सरकार से दूरभाष पर वार्ता करते हुए पूर्व में तैयार प्रस्ताव के स्थान पर सिविल एविशन स्थानीय कार्मिकों के सहायोग से प्रशासन द्वारा तैयार किये गए प्रस्ताव की फिजिबिलिटी चैक करने के लिए शीघ्र टीम भेजने हेतु निर्देशित किया, जिस पर नागरिक उड्डयन सचिव भारत सरकार ने कहा कि शीघ्रता से फिजिबल सर्वे हेतु टीम भेजी जायेगी ताकि अन्तराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट शीघ्रता से बन सके।

मंत्री अजय भट्ट ने बताया कि नए प्रस्ताव के मूर्तरूप लेने से जीबी पन्त यूनिवर्सिटी की 600 एकड़ कृषि भूमि की बचत होगी। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव प्रभावी तरीके से बनाया गया है जिससे की अन्तराष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माण में अनावश्यक विलम्ब न हो। उन्होंने कहा कि पन्तनगर में एयरपोर्ट निर्माण से राष्ट्रीय व अन्तरष्ट्रीय उड़ाने शुरू होने से राज्य में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही उद्योगों एवं उद्यमियों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट पर बेहद संजीदगी से कार्यवाही की जा रही है और हर कार्यवाही पर उनके द्वारा पैनी नज़र रखी जा रही है।

बैठक में उप जिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह ने तैयार प्रस्ताव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अन्तराष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माण हेतु 3500 मीटर रवने की व्यवस्था की गई है। जिसमें आसानी से बोइंग जैसे बड़े विमान आसानी से उतर सकते है। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव इस प्रकार तैयार किया गया है कि भविष्य में अन्राष्ट्रीय स्तर की उड़ानों में किसी भी प्रकार की अड़चन न हो और सभी उड़ाने आसानी से उड़ सकें। बैठक में डिप्टी चैयरमेन एवं विधायक शिव अरोरा, मेम्बर जगदीश कबडवाल, हेमन्त लोशाली, राजीव चौधरी, हेमन्त कुमार, मैनेजर एटीसी आदर्श अग्निहोत्री, असिस्टेण्ट मैनेजर आशीष चौसाली, निदेशक पन्तनगर एयरपोर्ट राजीव पुनेठा आदि उपस्थित थे।

33वीं कैनो स्प्रिंट राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

सीनियर महिला एवं पुरुष वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता का 25 अगस्त को होगा समापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 अगस्त, उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के सहयोग से आयोजित 33वें राष्ट्रीय कैनो सप्रिंट सीनियर (महिला एवम पुरुष) चैम्पियनशिप-2022 के तीसरे दिन खिलाड़ियों ने दम दिखाया। प्रतियोगिता का शुभारंभ 22 अगस्त को केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राजमंत्री अजय भट्ट ने झंडी दिखाकर किया था।

उत्तराखंड में वॉटर और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आयोजित चैम्पियनशिप में विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। चार दिवसीय प्रतियोगिता का 25 अगस्त को समापन होगा। ऊधमसिंह नगर जिले के बौर जलाशय गूलरभोज में चल रही प्रतियोगिता में सीनियर महिला एवं पुरुष वर्ग के लिए कैनो सप्रिंट के1, के2, के4, सी1,सी2, सी4 की 200 मीटर, 500 मीटर, 1000 मीटर, और 5000 मीटर एवं महिला एवं पुरुष मिक्स्ड के2, सी2 में 500 मीटर, मास्टर महिला एवं पुरुष मिक्स में के1, सी1 में 200 मीटर प्रतियोगिता आयोजित की गयी है।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि इस प्रतियोगिता से राज्य में जहां वॉटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलेगा वहीं पर्यटन विकास में भी इस चैम्पियनशिप की अहम भूमिका होगी। इसके अलावा पर्यटन के लिए पहले बड़े-बड़े महानगरों में जो सुविधाएं मिलती थीं, अब वही सुविधाएं हमारे उत्तराखंड में भी मौजूद होंगी। इससे पर्यटन के साथ इस क्षेत्र का भी विकास होगा।यूटीडीबी की अपर निदेशक पूनम चंद ने कहा कि पर्यटन मंत्री के नेतृत्व में विभाग पर्यटन गतिविधियों को गति देने के लिए लगातार काम कर रहा है। इस तरह की गतिविधियों से वॉटर स्पोर्ट्स व साहसिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

छह माह में पूर्ण हो निर्माणाधीन मोटरमार्गों का कार्यः डॉ0 धन सिंह रावत

शीघ्र हो पूरा मुख्यमंत्री घोषणा के तहत स्वीकृत सड़कों का कार्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 अगस्त, श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत एवं निर्माणाधीन मोटर मार्गों की प्रगति को लेकर कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने क्षेत्र में निर्माणाधीन मोटरमार्गां को छह माह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत स्वीकृत मोटर मार्गों के निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने को कहा। डॉ0 रावत ने विभागीय अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्र में अत्याधिक खराब मोटर मार्गों के डामरीकरण एवं मरम्मत को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत निर्माणाधीन मोटर मार्गों के संबंध में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक ली।

डॉ0 रावत ने बताया कि श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में निणार्मधीन मोटर मार्गों को आगामी छह माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये हैं।

उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत स्वीकृत 22 मोटर मार्गों के निर्माण कार्य भी शीघ्र पूरा करने का कहा गया। डॉ0 रावत ने चुठाणी से इज्जर मोटर मार्ग, पैठाणी से भरीक मोटर मार्ग, उफरौंखाल-भंपतो-गडखर्क-भराड़ीधार मोटर मार्ग, चौंरीखाल-कफल्ड-मुसेटी-लाम सिंह बैंड मोटर मार्ग, नकचुलाखाल-बुंगीधारी-उफरैंखाल-सरांईखेत मोटर मार्ग, इठुड-धारकोट मोटर मार्ग, चौंरीखाल-कफतड़-मुसैरी-लामसैंण बैंड-थलीसैंण मोटर मार्गों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने पंचपीपल से स्वीत तक डबल लेन चौड़ीकरण एवं एलिवेटैड मरीन ड्राईव निर्माण व एसएसबी फायर रेंज से डांग होते हुये श्रीकोट तक ठंडी सड़क के शीघ्र निर्माण के निर्देश अधिकारियों को दिये। डॉ0 रावत ने मोटर मार्गों के निर्माण में वन विभाग की ओर से आ रही अड़चनों को शीघ्र दूर करने के निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कहा कि विधानसभा क्षेत्र का कोई भी गांव मोटर मार्ग से वंचित न रहे। उन्होंने बरसात बाद क्षेत्र में अत्याधिक खराब स्थिति वाले मोटर मार्गों के शीघ्र मरम्मत एवं डामरीकरण के निर्देश भी दिये।

बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग आर0के0 सुधांशु, अपर सचिव विरेन्द्र कुमार, नवनीत पाण्डेय, मुख्य अभियंता पौड़ी गढ़वाल सी0एम0 पाण्डेय, अधीक्षण अभियंता पी.एस. नबियाल, अधिशासी अभियंता पाबौं के.एस. नेगी, अधिशासी अभियंता श्रीनगर आर.पी. नैथानी, अधिशासी अभियंता बैजरों विवेक प्रसाद, सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा